

PUBLIC WORKS DEPARTMENT
BUILDINGS AND ROADS BRANCH

AMBALA CIRCLE

The 20th June, 1986

No. SE/PWD/B&R/Ambala/1459.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land is likely to be required to be taken by the Government, at the public expenses, for a public purpose, namely, for constructing of Sunarian to Dhanani road (Duplicate) in Kurukshetra District, it is hereby notified that the land in the locality described below is likely to be required for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has objection for the acquisition in any land in the locality may, within thirty days of the publication of this notification, file an objection in writing before the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Kurukshetra.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in acres	Rectangle/Kila No.
1	2	3	4	5	6
Kurukshetra	Thanesar	Dhanani	134	1.46	367, 388, 389, 390, 391, 397, 398, 402, 403, 404, 405, 407, 408, 409/1, 417, 418, 419,
Do	Do	Sunarian	135	7.69	9 6, 14, 15, 17, 18, 23, 24 10 1, 2, 9, 10/1, 10/2 15 3, 4, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 23/1, 23/2, 24 20 3, 4, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 23, 24 27 3, 4, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 23, 24 34 14, 15/1, 15/2, 16, 17/1, 17/2, 18, 22, 23/1, 23/2, 24 35 2, 3/1, 3/2, 4/1, 9/1, 9/2, 8, 10, 11/1, 11/2

District	Tehsil	Locality/ Village.	Hadbast No.	Area in acres	Rectangle/Kila No.
1	2	3	4	5	6
Kurukshetra	Thanesar	Sunarian (concl'd.)	135—(concl'd.)	7.69— (concl'd.)	40 1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 10 41 6/1, 6/2, 14/1, 14/2, 15, 16, 17, 24, 25/1, 2S/2 48 5, 4, 7, 8, 9, 10/1, 10/2, 60, 61, 63, 86, 87, 90, 91, 126, 128, 130/1, 130/2, 164, 165, 166, 174, 178, 179, 62, 186, 74

(Sd.) . . .

Superintending Engineer,
Ambala Circle, P.W. D., B. & R. Branch,
Ambala Cantt.

लोक निर्माण विभाग

भवन एवं सड़क शाखा

अम्बाला वृत्त

दिनांक 20 जून, 1986

सं० एस० सी०/लो० नि० वि० भ० एवं सं०/अम्बाला/1459.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल को प्रतीत होता है कि सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जिला कुरुक्षेत्र में गांव सुनारियां से धनानी तक सड़क का निर्माण हेतु भूमि ली जानी अपेक्षित है अतः यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित परिक्षेत्र में उपरोक्त प्रयोजनार्थ भूमि का निर्माण अर्जन अपेक्षित है।

यह अधिसूचना भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अधीन उन सभी व्यक्तियों को जारी की जाती है, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं।

पूर्वोक्त द्वारा प्रयुक्त शक्तिशाली का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इस समय इस कार्य में लगे हुए अधिकारियों को अपने कर्मचारियों व कर्मकारों सहित उक्त परिक्षेत्र में किसी भी भूमि में प्रवेश करके निरीक्षण व उपरोक्त धारा द्वारा उपेक्षित या अनुज्ञात सभी काम करने के लिए सतर्क, प्राधिकृत करते हैं।

कोई भी हितवद्ध व्यक्ति जिसे उपरोक्त परिक्षेत्र में किसी भूमि अर्जन करने पर कोई आक्षेप हो, इस अधिसूचना के प्रकाशन से तीस दिनों के भीतर अपना आक्षेप लिखित रूप से जिला राजस्व अधिकारी तथा भूमि अर्जन समाहर्ता, कुरुक्षेत्र के समक्ष दायर कर सकता है।

विशिष्टियाँ

जिला	तहसील	परिक्षेत्र/ गांव	हदबस्त नं०	क्षेत्रफल (एकड़ों में)	रेक्टैंगल नं०/किला नं०
कुरुक्षेत्र	थानेसर	धनानी	134	1.46	367, 388, 389, 390, 391, 397, 398, 402, 403, 404, 405, 407, 408, 409/1, 417, 418, 419

जिला	तहसील	परिक्षेत्र/ गांव	हुदबस्त नं०	क्षेत्रफल (एकड़ों में)	रैक्टैंगल नं०/किला नं०
कुरुक्षेत्र	थानेसर	सुनारियां	135	7.69	9
					6, 14, 15, 17, 18, 23, 24,
					10
					1, 2, 9, 10/1, 10/2
					15
					3, 4, 7, 8, 13, 14, 17, 18,
					15
					23/1, 23/2, 24
					20
					3, 4, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 23, 24
					27
					3, 4, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 23, 24
					34
					14, 15/1, 15/2, 16, 17/1, 17/2, 18,
					34
					22, 23/1, 23/2, 24
					35
					2, 3/1, 3/2, 4/1, 9/1, 9/2, 8, 10,
					35
					11/1, 11/2
					40
					1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 10
					41
					6/1, 6/2, 14/1, 14/2, 15,
					41
					16, 17, 24, 25/1, 25/2

जिला	तहसील	परिशेव/ गांव	हदबस्त नं०	क्षेत्रफल (एकड़ों में)	रैक्टेंगल नं०, जिला नं०
कुरुक्षेत्र	थानेसर	सुनारिया- समाप्त	135- समाप्त	7.69-समाप्त	48
					5, 6, 7, 8, 9, 10/1, 10/2,
					60, 61, 63, 86, 87, 90, 91, 126, 128,
					130/1, 130/2, 164, 165, 166, 174,
					178, 179, 62, 186, 74

देवावधु,

अधीक्षक अभियन्ता,

अम्बाला परिमण्डल, लो. नि. वि.,

भवन तथा मार्ग शाखा, अम्बाला छावनी ।

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 25 जून, 1986

सं. ओ.वि./सोनी/59-86/21505.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० मैनेजिंग डायरेक्टर, डी सोनीपत सेंट्रल को-ओपरेटिव बैंक लि०, सोनीपत, के श्रमिक श्री रनवीर सिंह पुत्र श्री खेम चन्द, गांव बडा० बजाना कला, सोनीपत तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

* इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-अम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहताक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री रनवीर सिंह, पुत्र श्री खेम चन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वहाँ किस राहत का हकदार है ?

सं.ओ०वि०/सोनीपत/34-86/21625.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है मै० एच० वड प्रोडक्ट्स कम्पनी, नन्दवानी नगर, नजदीक मेमोरियल हस्तपताल, सोनीपत के श्रमिक श्री राम चन्द, पुत्र श्री राम दास मार्फत श्री बहादुर यादव कार्यालय, भारतीय मजदूर संघ, समाप्त मोडल टाउन, सोनीपत तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-अम-78-32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहताक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राम चन्द, पुत्र श्री राम दास की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वहाँ किस राहत का हकदार है ?

जे. पी. रतन,

उप सचिव, हरियाणा सरकार,

श्रम विभाग ।